संपादन एवं संचालन
एकलव्य
ई-10 शंकर नगर बी.डी.ए. कॉलोनी,
शिवाजी नगर, भोपाल (म.प्र.) 462 016
फोनः 0755 - 2550976 0755 - 2671017
ई-मेलःsrote@eklavya.in, srotefeatures@gmail.com
www.eklavya.in

स्रोत

विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी फीचर्स

अप्रैल 2010
वर्ष-4 अंक-3 (पूर्णांक 255)

संपादक
सुशील जोशी

सहायक संपादक
अफसाना पठान
अम्बरीष सोनी

उत्पादन सहयोग
इंदु नायर जितेंद्र ठाकुर
राकेश खत्री कमलेश यादव

वार्षिक चंदा
व्यक्तिगत 150 रुपए
संस्थागत 300 रुपए
एक प्रति 15 रुपए
चंदे की रकम कृपया एकलव्य, भोपाल के नाम बने ड्राफ्ट या मनीऑर्डर से भेजें।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद्, डी.एस.टी. की एक परियोजना

मस्तिष्क में भावनाओं के स्थान का खुलासा		2
झिंगुर भी करते हैं परागण		2
हेनरीटा की अमर कोशिकाएं		3
केवल जीनोम जानने से काम नहीं चलेगा		4
दूसरे ग्रह के जीव मिलें, तो क्या करें?		5
पशु-पक्षियों के प्रेम प्रसंग	नरेन्द्र देवांगन	6
ब्लैक होल की बारहखड़ी		9
ज्योति बसु के शरीर की विरासत	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	14
जीव शास्त्र और रसायन शास्त्र : जीवन और मृत्यु	पी. बालाराम	16
तकनीक प्रकृति से सीखें	प्रवीण कुमार	19
भूजल भण्डार एवं सिंचाई विकास की संभावनाएं	डॉ. राम प्रताप व आर.सी. गुप्ता	21
कोहरे को खतरनाक बनने से रोकिए	भारत डोगरा	26
सर्पदंश का प्रबंधनः उपचार व रोकथाम	डॉ. पिल्लै के साथ साक्षात्कार	27
गुबरैलों से प्रेरित एडहेसिव		32
जैव विविधता क्यों बचाएं और कैसे बचाएं?	डॉ. अरविंद गुप्ते	33
जलवायु परिवर्तन और कोपनहेगन असहमति	डॉ. डी. बालसुब्रमण्यन	38
जैव विविधता को बचाने के प्रयास शुरू		40
फूलों के परागण में खमीर की भूमिका		41

स्रोत में छपे लेखों के विचार लेखकों के हैं। एकलव्य या रा.वि.प्रौ.सं.पं. का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। यह मासिक संस्करण स्वयंसेवी संस्थाओं, सरकारी संस्थाओं व पुस्तकालयों, विज्ञान लेखन से संबद्ध तथा विज्ञान व समाज के रिश्तों में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के विशेष अनुरोध पर स्रोत के साप्ताहिक अंकों को संकलित करके तैयार किया जाता है।